

10⁷/₂₄

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी व जायों के
कालांतर लगाई गई। वहि-वाल कालांतर ठीक
के अनुसार भी वकील जायों व जायों
व्यापारिकों के हानि नहीं होने पर जायों
का कालांतर 212 RIA के अन्त रानी
काल परेकी के कालांतर किया पागर्ष
पत्रावली पेश हुए सुना होकर गन्त के
काल होकर दालिब काल है।

अप